राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

चण्डीगढ़ दिनांक, 21 ग्रगस्त, 1978

कमांक 1172-ज (I)-78/23104—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनयम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1)तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती धन कौर विधवा श्री हजारा सिंह निवासी अम्बाला छावनी, तहसील व जिला अम्बाला को खरीफ 1964 से रबी 1970 तक 100 रु वार्षिक तथा खरीफ 1970 से 150/- रु वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहयं प्रदान करते हैं।

क मांक 1189-ज (II)-78/23108.—-पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनाया मया है और उसमें प्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सींपे गये ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल श्री तेग सिंह पुत्र श्री नौरंग सिंह, गांव राहड़ा, तहसील कैयल, जिला कुरुक्षेत्र को रबी, 1966 से रबी 1970 तक 100 रु. वार्षिक तथा खरीफ 1970 से 150/- रु. वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर शनद में दी गई शतों के ग्रन्तंगत सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1172-ज (II)-78/23112—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम 1948 (जैसा कि उसे हिरयाणा राज्य में ग्रपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(10)(1) तथा 3(1) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यपाल श्रीमती मलखानी देवी विधवा श्री सुलतान सिंह, गांव नारायणा, तहसील पानीपत, जिला करनाल को रबी, 1973 से 150/- है वाधिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के ग्रनुसार सहष् प्रदान करते हैं।

कमांक 1062-ज(I)-78/23116.— पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अप-नाया गया है और उसमें बाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के ब्रानुसार सौंपे गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती शरबती देवी विधवा श्री रती राम गांव कायला, तहसील व जिला भिवानी को खरीफ 1969 से रबी, 1970 तक 100 रू. वार्षिक तथा खरीफ 1970 से 150/- रू. वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के ब्रानुसार सहषं प्रदान करते हैं।

दिनांक 23 ग्रगस्त, 1978

कमांक 1244ज (II)-78/23395.—श्रीरंगराव सिंह, पुत्र श्री सुख राम, गांव कनहाड़वास, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, की दिनांक 28-2-77 की हुई मृत्य के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार श्रीधनियम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहर्ष आदेश देते हैं, कि श्रीरंगराव सिंह को मुख्लिग 150/- रु. वाधिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना कर्मांक 2283ज (II)-72/32282, दिनांक, 29 अगस्त, 1972 द्वारा मेंजूर की गई थी, अब उस की विधवा श्रीमती उमराद्वी के नाम खरीक, 1977 से 150/- रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तंगत तबदील की जाती है।

कमांक 1227ज (II) 78/23399.——पूर्वी एंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंप गये ग्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती जमना देवी, विधवा श्री जग राम, गांव गढ़ी, तहसील पलवल, जिला गुड़गाँवा की रखी, 1973 से 150/- रुपये वार्षिक की मत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के श्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1188-ज(II)-78/23403. — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनिथम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के श्रनुसार सौंव

गये ग्रिधकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उन के नाम के सामने दी गई फमल तथा राणि एवं सनद में दी गई शर्तों के श्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं:---

क्रमांक	সিলা	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फसल/वर्ष जब से आगीर दी गई	वाषिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
	-			_ استاره ارساناته وسر استاره و رسو		रुपये
1	करनाल	श्री गोरधन दास, पुत्र श्री मुन्शी राम	किवाना	्. पानीपत	रबी, 1973 से	150
2	,,,	श्री राम किशन, पुत्र श्रीगोकल राम	खेड़ीनार	करनाल	खरोफ, 1965 से रवी, 1970 तक	100
					खरीक, 1970 से	150
3	"	श्री भोलड़ सिंह, पुद्व श्री जुग लाल	महावति	पानीयत	रवी, 1966 से रबी, 1970 तक	100
					खरीफ, 1970 से	150

करांक 1263ज (11) 78/23407.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसनें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियागा के राज्याल श्री छोटू राम, पुत्र श्री शिव लाल, गांव पौली, तहसील व जिला जीन्द को खरीफ 1974 से 150 रुपये वाधिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनर में दी गई शतों के अनुसार सहयं प्रदान करते हैं।

कमांक 1153-ज(II)-78/23414.—श्री सरदार सिंह, पुत्र श्री वलबन्त सिंह गांव लुहारी, शहसील झज्जर, जिला रोहतक की दिनांक 5 मार्च, 1978 को हुई म'त्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनयम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है श्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v)(1) तथा 3(1) के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहषं श्रादेश देते हैं, कि श्री सरदार सिंह को मुब्लिंग 200/- रु. वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रिधसूचना क्रमांक 3242-ज(II)-77/3230, दिनांक 1 फरवरी, 1978, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी अविध विधवा श्रीमती कलाक्ती देवी के नाम खरीक 1978 से 200/- रु. वार्षिक की दर से सर्नद में दी गई शर्ती के श्रन्तंगत तबदील की जाती है।

दिनांक 29 धगस्त, 1978

ऋतांक 1277-ज(II)-78/23871.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ऋधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(१ए) के अनुसार सौंपे गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री पाला राम, पुत्न श्री कुड़े सिंह, गांव मोरखेड़ी, तहसील व जिला रोहतक, को रवी, 1976 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्ती के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कर्मांक 1247-ज(II)-78/23875.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उस में श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रो रणधीर सिंह, पुत्र श्री बलवन्त सिंह, गांव छोछी, तहसोज झज्जर, जिला रोहतक को रबी, 1966 से रबी, 1970 तक 140 रुपये वार्षिक तथा खरीफ 1970 से 200 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के श्रनुसार सहषे प्रदान करते हैं।